नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिसिस, बिबिस
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि ।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २०० वि.सं. २०८१ माघ २७ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४८) [Sunday 09 February 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

वन संरक्षणमे महिला सक्रियता प्रभावकारी

अविनाश चौधरी

धनगढी, २६ माघ । भजनी नगरपालिका-७ वनगाउँके मनसरी चौधरी सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहके नेतृत्व करल डेढ दशक होसकल बा । चौधरीके नेतृत्वमे नौ सदस्यीय कार्यसमिति रहल महिला १५० हेक्टर वन संरक्षण कैटी आइल बाटै । बन्वाके अवस्था पहिलेसे अब्बे सुढरल बा ।

"पहिले शिराधानी प्रस्तावित वन रहेरब कार्यसमितिमे पुरुष किल रहिट", प्रतिक्षा महिला सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहके अध्यक्ष चौधरी कहली,"पाछे प्रस्तावित वनहे तीन टुक्रा बनाके एकठो वन हम्रहीन महिलाहे डेगैल । डुईठो सामुदायिक वन पुरुष नेतृत्वमे चल्टी रहल बा ।"

टुक्रयाइल मध्ये पुरुषसे नेतृत्व करटी रहल हिम्मतपुर सामुदायिक वन ओ पुरैना सामुदायिक वन व्यवस्थित हुइ सेकल नैहो । हिम्मतपुर सामुदायिक वनके कैयौं बरससे नवीकरणसमेत करल नैहो । ओस्टके, पुरैना सामुदायिक वनमे आन्तरिक विवाद रहल बा ।

संगे दर्ता हुइल डुई सामुदायिक वन लथालिङ रलेसे फेन २०६६ सालमे दर्ता हुइल प्रतिक्षा सामुदायिक वन भर फड्को मरले बा । कार्यालय व्यवस्थापनसे वनके रेखदेखहे महिला चुस्त बनैले बाटै । उहाँहुक्के बन्वाके काममे ढेर समय डेना करल बाटै । अध्यक्ष चौधरी कहली,"हम्रे बन्वामे सक्कु समुदायहे समावेशी तरिकासे मिलाके लैगिल बाटै । वन पैदावार वितरणमे कुहीहे काखापाखा नैहो । सक्कु जनहनहे मिलाके लैगिलपाछे सक्कु चीज मजा हुइटी रहल बा ।"

प्रतिक्षा महिला सामुदायिक वनमे करिब एक हजार घरधुरी उपभोक्ता आवद्ध रहल बाटै । जेम्ने थारुसहित दलित, मधेसी ओ अति विपन्न राजी समुदायके रहल बावै । सामुदायिक वन दर्ता हुइलठनसे चौधरी उ बन्वाके नेतृत्व कैटी आइल बाटी । कार्य समितिमे सक्कु महिला किल रहल कारण वन संरक्षण कैना समस्या नैरहल उहाँ बटैठी । बरु, बन्वाके चारुओर तारबार लगाइ ओ घेरबार करे नैसेकल कारण चरिचरन रोक्ना चुनौती हुइटी रहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

कैलारी गाउँपालिका-४ के गाउँ सुन्दरपुरमे रहल २४ हेक्टरके मुक्त सामुदायिक वन संरक्षण हुइटी रहल इ टे केवल प्रतिनिधि उदाहरण किल हो । मने, कैलालीमे अस्टके कैयौं सामुदायिक वन महिलाके नेतृत्वमे संरक्षण हुइटी रहल बावै । इहीसे वन संरक्षणमे महिला सहभागिता किल बह्नैले नैहो, वन संरक्षणमे महिला सक्रियता प्रभावकारी फेन डेखल बा ।

महिलासे मितव्ययी तरिकासे समूह चलैना किल नैहोके, वन संरक्षणमे सक्रिय भूमिका निर्वाह करटी रहल बाटै । संरक्षणमे महिला सक्रियता बह्रल वनके अवस्था फेन तुलनात्मक रुपमे सुधार हुइल बा । लम्मा समयसे संरक्षणमे क्रियाशील सामुदायिक वन समन्वय समिति भजनीके अध्यक्ष खोजराम चौधरी सामुदायिक वन संरक्षणमे महिलाके सक्रियता प्रभावकारी डेखल बटैलै ।

"हुइना टे, ढेर जैसिन सामुदायिक बन्वा अब्बेसम पुरुषके हाठमे बावै", उहाँ कहलै,"मने, पाछेक समय महिला नेतृत्व पैना क्रम फेन बह्रल बा । ओ, जहाँ महिला नेतृत्व करले बाटै, सक्रिय रुपमे लागल बाटै । वहाँ बन्वाके अवस्थासे लेके कार्यालयके अवस्था मजा बा । कार्यालय व्यवस्थापनसे वन संरक्षणमे महिला चुस्तदुरुस्त रुपमे काम करटी रहल बाटै ।"

१४ बरससे कैलारी गाउँपालिका-३ स्थित शिव सामुदायिक बन्वाके नेतृत्व कैटी आइल शान्तिदेवी चौधरी फेन वन संरक्षणमे महिला सक्रियता प्रभावकारी रहल दाबी करली ।*(बाँकी ३ पेजमे)*

महिला सामुदायिक बन्वाहे पूर्व कमैया महिला संरक्षण, व्यवस्थापनके काम करटी रहल बाटै । इ सामुदायिक बन्वाके नेतृत्व अमिता चौधरी कैटी आइल डुई दशक पुगे लागल बा ।

सात सदस्यीय उपभोक्ता समूहके कार्य समितिमे सक्कु महिला बाटै । "६२ घरधुरीके उपभोक्ताहे साथमे लेके संरक्षणमे जुटल बाटी", मुक्त महिला सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहके अध्यक्ष चौधरी कहली,"सक्कु उपभोक्ता मुक्त कमैया परिवार रहल ओरसे नि:शुल्कमे काठीपाटा डेना करल बाटी ।"

विपन्न मुक्त कमैया परिवारके उपभोक्ता संरक्षण, व्यवस्थापन कैना मेरके इ सामुदायिक वन २०६२ मे दर्ता हुइल रहे । उ बेलासे नै चौधरी उ बन्वाके नेतृत्व करटी रहल बाटी । महिलासे समिति चलैना, बन्वामे गस्ती जैना लगायतके काम कैटी आइल बाटै । कार्य समितिमे महिला किल रहल कारण वन संरक्षणमे चुनौती नैरहल जनैटी अध्यक्ष चौधरी कहली,"गस्ती जैना फेन समस्या नैहो । हम्रे सक्कु डिडीबहिनीया मिलके गस्ती जैना करल बाटी ।"

महिलाके नेतृत्व ओ सक्रियतामे

क्याप्टेन वेद उप्रेतीके पायलट प्रेम उपन्यास सार्वजनिक

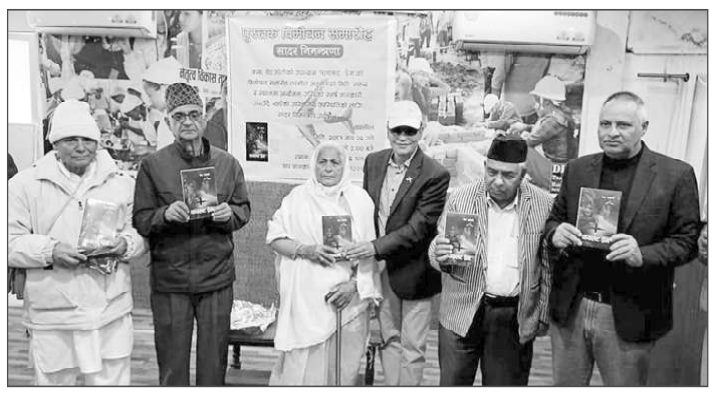

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ माघ । क्याप्टेन वेद उप्रेतीके लावा कृति 'पायलट प्रेम' के शनिच्चरके रोज धनगढीमे विमोचन करल बा । सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके डिन प्रेमराज पन्त, सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके पूर्व रजिस्ट्रार हेमराज पन्त, लेखकके डाइ सरस्वती उप्रेती लगायतसे संयुक्त रुपमे उपन्यासके विमोचन करल हुइट ।

क्याप्टेन उप्रेती आपन १३ औं कृतिके रुपमे पायलट प्रेम उपन्यास लेखल हुइट । इ उपन्यासभिट्टर पाइलटके चुनौतीपूर्ण जीवन, उतारचढाव, रोमान्सके बात समेटल उहाँ बटैलै । उपन्यासभिट्टर ९० प्रतिशत वास्तविक कथा समेटल उहाँ जानकारी डेलै । ओस्टके, १० प्रतिशत काल्पनिक कुररु राखल बावै । उहाँ कहलै,"यो उपन्यास पाइलट अध्ययन करुइया विद्यार्थीहे मार्गदर्शनसमेत हुइना बा ।" उप्रेती उपन्यास भिट्टर समेटल कथा आपनसे फेन औरेक रहल बटैलै ।

पुस्तकमे समीक्षा कैटी कैलाली बहुमुखी क्याम्पसके प्राध्यापक सीताराम भट्ट उपन्यासके बाहर पायलट प्रेम कहलेसे फेन भिट्टर जीवनवादी ओ आशावादी उपन्यास रहल बटैलै । उहाँ उपन्यासभिट्टर टमान मेरके प्रेमके व्याख्या करल उल्लेख कैटी प्रेममे ब्रेकअप हुइलमे निराश नैहुइना सन्देश उपन्याससे डेहल उल्लेख करलै । लेखक दार्शनिकतामे बहटी आशावादीके मोटिभेशनल बात, प्रकृति प्रेम ओ वियोगके बात समेटल भट्ट बटैलै ।

औरे टिप्पणीकर्ता कलमराज जोशी लेखक क्याप्टेन उप्रेती जहाजके उडान किल नैहोके शब्दके उडान फेन उपन्यासमे भरल उल्लेख करलै । उहाँ जीवनहे बहुआयामिक तरिकासे आघे बह्रैना उपन्याससे सन्देश डेहल बटैलै ।

जिल्लाके नमुना विद्यालय भवन निर्माण

बझाङ, २६ माघ । जिल्लाके पर्यटकिय क्षेत्रसँग जोरल खप्तडछान्ना गाउँपालिकामे नमुना विद्यालय भवन निर्माण करल बा । २०७८ साल कुँवार ३१ से कात्तिक ३ गतेसम आइल बाढ ओ पहिरोके कारण भवन ओ विद्यालयमे क्षति हुइलपाछे यहाँके दुर्गा महालिङ माबि चौकामे जिल्लाके नमुना भवन निर्माण करल हो ।

भौतिक संरचनाके अभाव हुइलेसे फेन पठनपाठनमे समेत समस्या हुइल उक्त विद्यलयमे विद्यार्थीहुक्रनहे असहज हुइल रहे । अस्ट्रेलियन हिमालय फाउन्डेसनके आर्थिक सहयोगमे रिड नेपाल नामक गैरसरकारी संस्थासे विद्यालय भवनमे निर्माण करल उ भवन जिल्लाके नमुना भवन रहल बा । अस्ट्रेलियन इन्जिनियर जोसुवा एन्जलबेथसे करल डिजायनमे रिड नेपाल नामक गैरसरकारी संस्थासे प्राविधिक सहयोग करल रिड नेपालके परियोजनाके इन्जिनियर सत्यराज पाण्डे जानकारी डेलै ।

उहाँ ८० लाख रुपियाँके लागतमा निर्माण करल भवन भूकम्प प्रतिरोधी, तापक्रमहे सन्तुलन रख्ना खालके प्रविधि जडान करल, बालमैत्री, अपांगमैत्री समेत रहल समेत बटैलै । भवनभित्रे सुविधा सम्पन्न फनिचर, लाइटिङसहितके व्यवस्था रहल बा । "हाल बझाङ जिल्लामे निर्माण हुइल भवनके तुलनामे इ भवन सुविधायुक्त भवन हो," खप्तडछान्ना गाउँपालिकाके अध्यक्ष उत्तमबहादुर रोकाया कहलै ।

गाउँपालिका अध्यक्ष रोकायाके समन्वयमे "समृद्ध खप्तडछान्ना परियोजना" लागु करलपाछे गाउँपालिकाके स्वास्थ्य ओ शिक्षा क्षेत्रमे नमुना काम हुइटी आइल स्थानीय भिम बहादुर रोकायाके कहाइ रहल बा । डुई बरस यहोर यता रिड नेपालमार्फत अस्ट्रेलियन हिमालय फाउन्डेसनसे खप्तडछान्नाके शिक्षा क्षेत्रमे विद्यालयके भौतिक सुधार, शिक्षकहे तालिम, बालबालिका तथा अभिभावकहे चेतनामुलक तालिम तथा शैक्षिक गुणस्तर सुधारके टमान कार्य कैटी आइल बा कलेसे स्वास्थ्य संस्थामे उपकरण सहयोग, कर्मचारी अभावके परिपूर्ति, भौतिक पूर्वाधार निर्माण लगायतके काम कैटी आइल बा ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग
उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म
धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
सह-सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

फनेसे डढेलोके त्रास

‘कौनो बेला काठमाडौँ उपत्यकामे हिउँदके अगहन, पुस ओ माघ महिना एडम जार रहे । उपत्यके खाल्टामे घाम लग्ना बिहानके खानपिन कैके दिन कुरेपरे । बिहानी कक्षा सञ्चालन हुइना विद्यालय ओ क्याम्पसमे पठनपाठनके लाग जाके डगरमे उज्रे परल तुसारोमे चिपलके लड्ना सामान्य रहे । बाहिर भाँडाकुँडामे ढरल पानीके माथिल्लो भाग जमल रहे । बिहान ओ साँझके पानी छुलेसे हात कटक्के खैना ओ औँलाके नङ भरना जस्टे रहे । उपत्यकाबाहेरसे आइक लाग काठमाडौँके जार कौनो भयंकर सजायसे कम होए । अत्यधिक जारके कारण दसैँतिहारपाछे उपत्यकामे कबु फागुन–चैत लागि ओ न्यानो मौसम आइ कहिके दिन गनेपरना अवस्था रहे ।

यी व्याख्यात्मक परिदृश्य काठमाडौँ उपत्यकाके सयौँ वर्षआघेक किंवदन्तीसे लेहल नैहो । २० वर्षआघेसम काठमाडौँ उपत्यकामे हिउँदआघे उप्पर उल्लेख करल अवस्था रहे । अति कष्टकर जार टे पलिर हे, पुस ओ माघ महिनामे हिउँदे वर्षा होए । वर्षासँगे उपत्यकाके तापक्रम माइनसओर लागे । ठिहिर्‍यइना जारसे मनै घरभित्रे खुमचके चन्द्रागिरि, नगरकोट जस्टे उपत्यके आसपासके अग्ला भेगमे हिउँ परना करे मने २० वर्षआघेक उ परिदृश्य अब्बे एकादेशके कथा जस्टे हुइल बा । गरगहनाके पुस्तैनी व्यापार सम्हारल काठमाडौँ महानगरपालिका–१८, नरदेवीके एक युवा व्यापारी कठैं, “उबेला पुस, माघमे धारासे पानी झरटि जाए कलेसे ‘हृया.. गफ नैडेना, ओइसिन फेन कहाँ रहि ? होके अब्बे खोइ टे काहे नैहो ?’ कहिके मोरे छुट्कि छावा जवाफ डेहठ ।”

अइसिके पत्यार नैलग्ना मेरिक पाछेक २० वर्षयहोर उपत्यकाके मौसमी अवस्थामे आइल परिवर्तन सामान्य पक्के नैहो । पाछेक वर्षमे उपत्यकामे अत्यधिक बह्रकल जनसंख्यासँगे निर्माण हुइल संरचनासे यहाँके वनजंगल ओ हरियाली सखाप पायल । मनै ओ सवारीसाधनके अत्यधिक भिडभाडके परिणाम वायु प्रदुषण, जल प्रदुषण, फोहोरमैला, विषाक्त ग्यासलगायतसे उपत्यका खाल्डा वर्षौंपिच्छे तातिट करलि । मौसम पूर्वानुमान महाशाखाके तथ्यांक अनुसार अचेल काठमाडौँ उपत्यकामे बर्सैनि जार कम हुइटि गैल स्पष्ट बा । पाछेक वर्षमे तापक्रम माइनसमे जाइ छोरल बा । विश्वमे सन् २०२४ सबसे टाटुल वर्ष हुइल ओ ओकर प्रभावसे धेर प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष क्षति पुगल समाचार बरसभर चर्चामे रहल । उ सन्दर्भ ओ जलवायु परिवर्तनके बह्रल विश्वव्यापी प्रभावसे नेपाल फेन अछुतो नैहो ।

मौसम पूर्वानुमान महाशाखाके मौसमविद् प्रतिभा मानन्धरके अनुसार काठमाडौँमे यी हिउँदमे सबसे कम तापक्रम दुई डिग्री सेल्सियस अगहन २९ गते मापन करल बा । काठमाडौँमे पोहोरके हिउँदसे यी हिउँद तातो हिउँद बनल बा । काठमाडौँमे यी वर्षके हिउँदमे अब्बेसम कात्तिकमे एक दिन सामान्य ओ अगहनमे एक दिन छिटपुट कैके दुई दिन किल वर्षा हुइल तथ्यांक बा । काठमाडौँमे पहिले पहिले सबसे ढेर जार माघ महिनामे होए मने यी वर्ष माघ महिनाके दोसर हप्ता सुरु हुइल/नैहोके तापमान बह्रके साबिकके फागुन महिनाके जस्टे न्यानो ओ गर्मी महसुस हुइ लागल बा । उपत्यका किल नैहोके देशभर अधिकतम ओ न्यूनतम दुनु तापक्रम दिनदिने बह्रल बा ।

हिउँदमे अचाक्ली जार हुइना ठाउँ कहिके चिन्हा काठमाडौँ उपत्यकाके यी उदाहरण एक प्रतिनिधि किल हो । माघके दोसर सातासँगे देशके संघीय राजधानी काठमाडौँ भित्रल मनै ‘काठमाडौँमे टे और दिनदिने घाम लागठ, माघके जारके कत्रा डर रहे, काठमाडौँमे टे गर्मी पो लागे लागल बा’ कहिके पहिलेके जारलसँग तुलना करटि काठमाडौँमे जार माघ पहिल हप्ते हराइसेक्नाके खुसियाली मनाइल बटैं । मौसम विज्ञान विभागके अनुसार काठमाडौँ उपत्यकामे किल नैहोके समग्र नेपालभर पाछेक दशकके हिउँदसे अब्बेक हिउँद बर्सैनि ताता ओ सुक्खा हुइटि गैल बा । जोन यी वर्षके हिउँदसे और प्रस्ट रूपमे छर्लङ्ङ पारल बा ।

यी हिउँदमे सुदूरपश्चिममे कुछ वर्षा हुइल भेगबाहेक देशभर हिउँदे वर्षा कहुँ हुइल नैहो टे कहुँ एकडम कम किल हुइल बा । मौसमविद्के अनुसार यी वर्ष हिउँदमे नेपाल भित्रल पानी परना सब प्रणाली कमजोर रहे जेकर कारण पहिलेक हिउँदमे जस्टे काठमाडौँलगायत देशभर पानी परे नैसेकल । हिउँदमे भूमध्यसागरसमसे नेपाल भित्रके पानी परना प्रणाली सुदूरपश्चिम ओ लुम्बिनी प्रदेशसे पूर्व जाइ नैपैटि कमजोर होके ओराइल । जहाँसे अइलेसे फेन जैनफेन मौसमी प्रणाली काठमाडौँ उपत्यकासम पुग्न उ प्रणाली बलगर हुइ परठ मने यी वर्ष ओइसिन मौसमी प्रणाली कम आइल ओ अइलेसे फेन एकडम कमजोर आइल मौसमके जानकार वरुण पौडेल बटैठैं । उहाँक अनुसार पश्चिमी वायुलगायतके मौसमी प्रणाली नेपाल भित्रके हिमाली भेगमे हिमपात होए कलेसे पहाडी ओ तराई भेगमे वर्षा होए । जेकर कारण जमिन चिन्हजाए, जार हावा बहे ओ पूरे वातावरण कठ्यांग्रिना होए मने यी वर्ष उ सब परिचक्रमा कमी आइल फलस्वरूप उपत्यकालगायत देशभरके तापक्रम औसतसे बह्रके गैल ओ हरियर हलि सुख्के जाँके रुक्खा सुक्खापन हाबी हुइल ।

जलवायु परिवर्तनके विश्वव्यापी बह्रल प्रभावसे फेन नेपालमे बर्सैनि हिउँदमे जार घट्ना ओ गर्मी फैलटि गैल मौसमके जानकार बटैठैं । विश्वभर बर्सैनि जार दिन घट्ना, ताता ओ औसतसे टाटुल दिन बह्रल टमान अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवेदनसे प्रमाणित कैसेकल बा । दुई हप्ताआघे विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्युएमओ) विज्ञप्ति जारी कैके टमान बा अन्तर्राष्ट्रिय तथ्यांकके आधारमे सन् २०२४ अब्बेमके सबसे टाटुल वर्ष हुइल प्रमाणित करले बा । जोन अनुसार सन् २०१५ से २०२४ समके १० वर्ष इतिहासमे सबसे टाटुल १० वर्ष हो । यी बिचमे पृथ्वीके औसत तापमान १.५ डिग्री सेल्सियससे ढेर हुइल डेखाइठ । अस्टेक सन् २०२४ मे पृथ्वीके सतह, समुद्री सतह ओ समग्र समुद्रके तापमानमे अस्वाभाविक वृद्धि हुइल । यी सबके असर नेपालके मौसम ओ समग्र पारिस्थितिक प्रणालीमे शतप्रतिशत परल बा कलेसे ठोकुवा करना वैज्ञानिक आधार नैहुइल फेन जलवायु परिवर्तनके असर नेपालमे धेरथोर परल तथ्य भर पाछेक वर्षमे आइल अस्वाभाविक मौसमी परिवर्तनसे देखाइल बा ।

मौसमविद् हिउँदमे वर्षा ओ जार दुनु कम होके सुक्खायामसे जमिन ओ पातपतिंगर जर्जर बनाके यी वर्ष डढेलोके जोखिम और बह्रे सेक्ना खतरा औँल्यइल बा । वन तथा भूसंरक्षण विभागके वन डढेलो पहिचान तथा अनुगमन प्रणालीके डढेलो तथ्यांक (मोडिस) अनुसार पाछेक ६० दिनमे नेपाल भर १५८ से ढेर ठाउँमे डढेलो लागसेकल बा । चर्चामे अइना मेरिक टामन भारी डढेलोके समाचार नैअइलेसे फेन मध्य हिउँद मन्ना माघ महिना आधा नैहोके देशभर डढेलो फैलना सुरु हुइना आगामी सुक्खायामके लाग चेतावनी पक्के हो । नेपालमे हिउँदसे सुरु हुइना डढेलोके मुख्य सिजन वैशाखहे मान्दा काठमाडौँलगायत देशभर माघमे डढेलोहे अनुकूल वातावरण तयार हुइना डढेलोहे ‘हलि आ ज’ कहिके मौसमसे डगर डेहल कहिके अरथ्यइना अत्युक्ति पक्के नाहोए । वनजंगलमे लग्ना डढेलोसे

सुक्खायाममे यी फेन जतातहैं जंगल पानी नैपरटसम दिन प्रतिदिन प्रज्वलनशील पदार्थ जस्टे बनल रहठ । ओहेउप्पर स्थानीयस्तरमे जंगलमे डढेलो लगाके नयाँ मुना मजासे पलाइठ कना मनोविज्ञान व्याप्त बा । टबेमारे नयाँ पालुवा पलैना विश्वासमे जानलबुझल मनै जानजान आगी लगैठैं । सुक्खायाममे सुकल पातपतिंगरमे तेज हावासँगे आगी ह्वारह्वार्ती वनभर फैलठ । डढेलोके जानकार सुन्दर शर्माके अनुसार नयाँ घाँसके मुना पलाए कहिके आगी लगैना ओ लापर्बाही जैसिन नियतवशके मानवीय कारणसे नेपालमे ६४ प्रतिशत डढेलोके घटना हुइठैं । अस्टेक ३२ प्रतिशत आकस्मिक वा लापर्बाही ओ चार प्रतिशत अज्ञात कारणसे लगैना रकल पाजाइठ । तथ्यांक, मौसम ओ डढेलोके जानकारसँगे विश्व मौसम विज्ञान संगठनसे समेत विश्वभर तापमान बह्रल प्रमाणित कैके पृथ्वीके पारिस्थितिक प्रणाली संकटमे परना खतरा औँल्यासेकल अवस्थामे नेपाल फेन अस्टे परिवर्तनके सामनाके लाग सबल बने परठ ।

विचार

प्रमोदकुमार टण्डन

करोडौँ रुपियाँबराबरके क्षति पुगाइठँ, लाखौँ हेक्टर वनजंगल खरानी बनाके ओ दर्जनौँ गाउँबस्ती सखाप पारठ । नेपाल सरकारके वन तथा वातावरण विभाग ओ दक्षिण एसियाली डढेलो सञ्जालके अनुसार जाडोयामसँगे सुरु हुइना डढेलोके घटनासे चैत–वैशाखसम आइटसम दैनिक सयौँ ठाउँमे बरके वा फैलके सम्बन्धित क्षेत्रके वन विनाशसँगे वायु प्रदूषण बह्रके एयरपोर्टके भिजिबिलिटी कम कैके उडानसम प्रभावित हुइना करठ ।

सुक्खायाममे यी फेन जतातहैं जंगल पानी नैपरटसम दिन प्रतिदिन प्रज्वलनशील पदार्थ जस्टे बनल रहठ । ओहेउप्पर स्थानीयस्तरमे जंगलमे डढेलो लगाके नयाँ मुना मजासे पलाइठ कना मनोविज्ञान व्याप्त बा । टबेमारे नयाँ पालुवा पलैना विश्वासमे जानलबुझल मनै जानजान आगी लगैठैं । सुक्खायाममे सुकल पातपतिंगरमे तेज हावासँगे आगी ह्वारह्वार्ती वनभर फैलठ । डढेलोके जानकार सुन्दर शर्माके अनुसार नयाँ घाँसके मुना पलाए कहिके आगी लगैना ओ लापर्बाही जैसिन नियतवशके मानवीय कारणसे नेपालमे ६४ प्रतिशत डढेलोके घटना हुइठैं । अस्टेक ३२ प्रतिशत आकस्मिक वा लापर्बाही ओ चार प्रतिशत अज्ञात कारणसे लगैना रकल पाजाइठ । तथ्यांक, मौसम ओ डढेलोके जानकारसँगे विश्व मौसम विज्ञान संगठनसे समेत विश्वभर तापमान बह्रल प्रमाणित कैके पृथ्वीके पारिस्थितिक प्रणाली संकटमे परना खतरा औँल्यासेकल अवस्थामे नेपाल फेन अस्टे परिवर्तनके सामनाके लाग सबल बने परठ ।

देशभर छोट या भारी परिमाणमे सुरु होसेकल डढेलोके घटनासे काल्ह भयावह रूप लेहे नैडेना अब्बहिसे डढेलो नियन्त्रण ओ ओकर पूर्वतयारीमे ध्यान डेहे परठ । हिउँदमे पानी नैपरना ओ हलि गर्मी सुरु हुइना कलेक फागुन–चैतमे सुक्ना हरिया रुख ओ पातपतिंगर पुस–माघमे सुख्ना हो । यकर मतलब डढेलोके लाग इन्धन (सुखल पातपतिंगर) तयार बा, आगी किल सल्कैना बाँकी बा कना चेतावनी फेन हो । यकर छनक हाले ढेर दिनपाछे नियन्त्रणमे आइल काभ्रेपलाञ्चोकके डढेलोसे डेसेकल बा । कुछ हप्तासे अमेरिकाके लस एन्जलसमे लागल डढेलोके भिडियो टमान नेपाली डिजिटल उपकरणमे हेरले बटैं । लस एन्जलसके डढेलो टे डिजिटल उपकरणसम किल आइठ मने बेलेमे नेपाल सरकार, सर्वसाधारण ओ सम्बन्धित सरोकारवाला संघसंस्थासे नेपालके वनजंगलमे डढेलो लागे नैडेना वा लागलपाछे तत्काल बुटैना बेलेमे पूर्वतयारी नैकरल यहाँक डढेलो भर यी सुक्खायाममे अप्ने हमार घर, टोल, गाउँ ओ सहर नैआइ कहे नैसेक्जाइ । सबके यहोर ध्यान जाए ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

प्रादेशिक महोत्सवमे ६ करोडके कारोबार

नेपालगन्ज, २६ माघ । नेपालगन्जमे सञ्चालन हुइल प्रादेशिक महोत्सव २०८१ मे ६ करोडके कारोबार हुइल नेपालगन्ज उद्योग वाणिज्य संघ जनाइल बा ।

यिहे माघ १० गतेसे २३ गतेसम करल उ महोत्सवमे ६ करोडसे ढेरके कारोबार हुइल संघके अध्यक्ष टंकबहादुर धामी बटैलैं । उहाँ अभिन कुछ स्टलसे कारोबारके जानकारी अइना बाँकी रहल ओरसे कारोबार हुइल रकम बृद्धि हुइना बटैलैं । उहाँ १४ दिनसम सञ्चालन हुइल उ महोत्सवहे बाँके ओ बर्दियाके कैके दुई लाख सर्वसाधारणसे अवलोकन करल जनैटि ६ करोड ढेरके कारोबार हुइल बटैलैं ।

महोत्सवमे हुइल कारोबारसे यी क्षेत्रके आर्थिक गतिविधिहे चलायमान बनैना भारी सहयोग करल जनैटि महोत्सव ओ मेला आयोजना करना उद्योग वाणिज्य संघहे किल डेहेपरना माग यहाँक उद्योगी व्यवसायी जनैले बटैं ।

लम्मा समयपाछे हुइल उ महोत्सवमे कर्णालीके अर्गानिक उत्पादनसे स्थानीय अन्य उत्पादन ओ घरमे तयार पारल वस्तुके खरिद बिक्री ढेर हुइल पाइल नेपालगन्ज उद्योग वाणिज्य संघ जनैले बा ।

महोत्सव समापनमे नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघके जिल्ला नगर उपाध्यक्ष सुरकृष्ण वैद्य निजी क्षेत्रसे देशके आर्थिक अवस्था बलगर बनैना दिनरात मिहिनेत करल जनैटि सरकार फेन सहयोग करेपरना बटैलैं ।

उ अवसरमे नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघके लुम्बिनी प्रदेश प्रतिनिधि देवेन्द्र पाण्डे, नेपालगन्ज उद्योग वाणिज्य संघके पूर्वअध्यक्ष कृष्णप्रसाद श्रेष्ठ, कोहलपुर उद्योग वाणिज्य संघके अध्यक्ष प्रदीप भट्टराई लगायत देशके उद्योग व्यवसाय फस्टैना वातावरण बनाइपरना माग सरकारसँग करले रहैं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

चौधरी फेसन टेलर्समे विशेष छुट

हमार यहाँ जौनफे मेरिक कोटपाईन्ट, सर्ट, आसकोट, दाउरा सुरुवाल, जुहारी कोट, टाई, टोपी पैनाके साथे स्कूल ड्रेस, क्याम्पस ड्रेस, निजामती कर्मचारीके ड्रेस तथा थान कपडा सुपथ मोलमे विक्री कैनाके साथे सिलाई फे करजाइठ ।

रेडिमेट कोटपाईन्ट तथा क्याम्पस ड्रेस कोटपाईन्ट मात्र रु. ७८५०।- मे

प्रो. विष्णु चौधरी (९८४८४७१३४१)
चौधरी फेसन टेलर्स
धनगढी-१, बुढुमार्ग, कैलाली (जिप्रका पुल नजिक)
हमार नयाँ शाखा धनगढी-७, मोतीचोकमे खुलल सहर्ष जानकारी कराइटि ।
नोट : हमार यहाँ इण्डियाबरेलीके दक्ष कलीगढहुकनसे कोटपाईन्ट सुपथ मोलमे सिलाई करटि रहल ग्राहक वर्गहुकनहे सहर्ष जानकारी कराइटि ।

दिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेक ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैढ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकार विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटि ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालिय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

सहकारीपीडितसे निवेदन आह्वान

म्याग्दी, २६ माघ । आर्थिक अपचलन हुइल कटि पाँच जहनहे गिरफ्तार कैके अनुसन्धान आगे बह्राइल बेनी नगरपालिका–८ मे रहल कुमारी बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेडके बचतकर्ताहे प्रहरीसे निवेदन डेना आह्वान करले बा ।

सहकारी संस्थाके पूर्वसञ्चालक समिति तथा पूर्वव्यवस्थापकहे समेत गिरफ्तार कैके अनुसन्धान सुरु करल प्रहरीसे सहकारीमे रकम जम्मा करल आधार डेखैना पासबुक, भौचर, स्टेटमेन्ट, मुद्दती प्रमाणपत्रलगायतके प्रमाणके सक्कलसहित निवेदन डेना सूचना करल बा । बचतकर्ताहे रकम जम्मा करल प्रमाणके सक्कल प्रतिसहित प्रहरी कार्यालयमे उपस्थितिके लाग आह्वान करल हो ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय म्याग्दीसे २० गते संस्थाके पूर्वअध्यक्ष रघुगंगा गाउँपालिका–५ भिँका ६७ वर्षीय मनप्रसाद थजाली, पूर्वउपाध्यक्ष बेनी नगरपालिका–१, रत्नेचौरके ३६ वर्षीय राजकुमार थापाहे गिरफ्तार करले रहे ।

ओहे दिन अन्नपूर्ण गाउँपालिका–७, हिस्तानके ६६ वर्षीय थमबहादुर गर्बुजा, संस्थाके पूर्वव्यवस्थापक (प्रबन्धक) पर्वत लेखफाँटके ५३ वर्षीय रुद्रबहादुर गुरुङ ओ बेनी नगरपालिका–१, रत्नेचौरकी ४९ वर्षीय देवीकुमारी थापाहे गिरफ् तार करल रहे ।

सहकारीके वर्तमान तथा पूर्वपदाधिकारीसे आर्थिक अपचलन करल कटि गैल २० गते अँट्वारके रोज पाँच जहनहे गिरफ्तार करल प्रहरी सहकारी संस्थामे रहल प्रमाण दुरुपयोग हुइ सेक्ना आशंकासहित गैल बुधके रोज २३ गते सहकारी सिल करल रहे । साथे २१ माघके मितिमे प्रहरीसे सहकारीपीडितहे निवेदन डेनासमेत आह्वान करल बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय म्याग्दीके सूचना अधिकारी प्रहरी निरीक्षक (इन्स्पेक्टर) सागर पौडेलके अनुसार थप अनुसन्धान करेक लाग सहकारी सिल करनाके साथे जिल्ला अदालतसे पाँच दिनके म्याद थप कराइल बा ।

पहिलचो अँट्वारसे तीन दिनके म्याद थप कैके अनुसन्धान सुरु करल प्रहरी बुधके रोज पुनः जिल्ला अदालत म्याग्दीसे पाँच दिनके म्याद थप कैके अनुसन्धान आगे बह्राइल जाइल बा । सहकारी रजिस्ट्रार कार्यालय पोखराके चलानी नं. ४१२ मिति २०८१ माघ १८ गतेके पत्रके आधारमे सहकारीके सञ्चालक तथा व्यवस्थापकहे गिरफ्तार करल प्रहरी जनैले बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय म्याग्दीके सूचना अधिकारी सागर पौडेल पीडितसे माग करल अनुसार निवेदन अइना क्रम जारी रहल बटैलैं । सञ्चालकसे कुछ बचतकर्ताके रकम फिर्ता फेन करल होके फिर्ता हुइना बाँकीके निवेदन माग करल उहाँक कहाइ बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय

विश्व खाद्य मूल्यमे गिरावट

काठमाडौं, २६ माघ । मुख्यतया चिनी, तरकारी तेल ओ मासुके मूल्यमे आइल कमीके कारण जनवरीमे विश्वव्यापी खाद्यान्नके मूल्य घटल संयुक्त राष्ट्रसंघीय खाद्य तथा कृषि संगठन (एफएओ) जनैले बा ।

नयाँ वर्षके पहिल मासिक प्रतिवेदनमे एफएओ अपन व्यापक खाद्य मूल्य सूचकांक जनवरीमे एक महिना आघेक तुलनामे १.६ प्रतिशत घटल जनाइल बा ।

जनवरीमे पाँचमध्ये तीन उप–सूचकांकमे गिरावट आइल तथ्यांकसे देखाइल बा । पिहेबिच, ब्राजिल ओ भारत लगायत प्रमुख चिनी उत्पादक देशमे मजा फसलके कारण चिनीके मूल्य अक्टोबर सन् २०२२ यहोरके न्यून स्तरमे ६.८ प्रतिशत पुगल बा ।

तरकारी तेलके मूल्य ५.६ प्रतिशत घटल एफएओ जनाइल बा । मागमे आइल गिरावटसे पाम तेलके मूल्य फेन कम हुइल बा । यद्यपि, दुग्धजन्य पदार्थके मूल्यमे उल्लेख्य वृद्धि हुइल बा ।

वन संरक्षणमे महिला...

महिला मित्तव्ययी तरिकासे समिति चलैना करल उल्लेख कैटी उहाँ थप्ली,"२०६३ सालमे दर्ता हुइल हमारे सामुदायिक बन्वा पहिले पुरुष चलैले रहिट । उ बेला न कार्यालय व्यवस्थित रहे न टे बन्वा । मै नेतृत्व कैके सक्कु जनहनहे सक्रिय बनाइलपाछे बन्वाके अवस्था सुधरल बा । आम्दानी फेन बह्रल बा ।"

हुइना टे पुरुष नेतृत्व करटी रहल कतिपय सामुदायिक बन्वा कैलालीमे नमुना बन्वाके रुपमे स्थापित बावै । मने, महिलासे नेतृत्व कैके सक्रिय रुपमे संरक्षणमे लागल बन्वाके अवस्था फेन कम्ती लोभलाग्टिक नैहो । वन संरक्षणमे महिला मजा काम करटी रहल भजनी नगरपालिका–७ के उपभोक्ता सीता चौधरीके बुझाइ रहल बा । "पहिले बात टे महिलासे सुशासन ओ पारदर्शितामे विशेष ध्यान डेना करठै", उहाँ थप्ली,"महिलाके काम मित्तव्ययी डेखजाइठ् ।"

यी काम करठै महिला

सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमे बैठसेकलपाछे महिलासे कैना प्रमुख काम कहलक आपन बन्वाके संरक्षण, व्यवस्थापन ओ वन पैदावारके सदुपयोग हो । बन्वा बचाइक लाग गस्ती कैनाके साथे लुकरी(डढेलो) रोक्ना अग्नी नियन्त्रण रेखा बनैना, वृक्षारोपण कैना काम कैना करल बाटै । ओस्टके, बन्वाके वार्षिक कार्ययोजना अनुसार समूहके बैठक बैठ्ना, भेला, सार्वजनिक सुनवाइ कैना, वन पैदावार संकलन ओ ओकर सदुपयोग लगायतके कार्य कैना करल बाटै ।

कहोंरो चुनौती, कहोंरो सहज

सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहे महिलासे गजब चलाइ लग्गेसे फेन सुरुमे महिला नेतृत्वहे ओत्र सहज रुपमे नैलेजाइठ् । साथसाथे काम कैना क्रममे फेन महिला कतिपय ठाउँमे चुनौतीके सामना करे परल बा कलेसे कार्यसमितिमे महिला किल रहल ठाउँमे सहज हुइल बा ।

सुरु सुरुमे अपने सामुदायिक बन्वाके नेतृत्व करेबर पुरुष सजिले महिला नेतृत्व नैस्वीकारल अनुभव शिव सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहके अध्यक्ष शान्तिदेवी सुनैठी । उहाँ कहली,"पहिले पहिले ढेर जन्नाहा, नेता बनल कहिके बात लगैना करिट । मने अबबे ओइसीन नैहो । गस्ती करक लाग असुरक्षा महसुस नहोए कहिके हम्रे कार्य समितिमे पाछे डुई जाने पुरुष रख्ले बाटी ।"

भजनी नगरपालिका–५ मे रहल कुलदेव महिला सामुदायिक वनके अध्यक्ष जलुदेवी साउँद सुरु सुरुमे काम कैना महिलाहे असहज हुइना करलेसे फेन पाछे सक्कु चीज मजा हुइना करल बटैली । अपनेहुक्रे लडियाके बगरमे सिसम ओ खयरके वृक्षारोपण कैके १.७१ हेक्टर सामुदायिक बन्वा बनाइल उल्लेख कैटी उहाँ कहली,"ओकर नेतृत्व करल मोरिक सात बरस होसेकल । हम्रे कौनो मेरके समस्या भोगल नैहुइटी । निर्णय तहमे पुगल बाटी । हमार करल निर्णयहे सक्कु उपभोक्ता स्वीकरठै । इमान्दारिताके साथ आवश्यक चीजमे खर्च कैठी । बाँकी रकम बचत करटी रहल बाटी ।"

मुक्त महिला सामुदायिक वनके अध्यक्ष अमिता सुरुमे अपने सामुदायिक बन्वाके नेतृत्व करेबर पुरुष किल नैहोके महिला फेन बात काटल बटैठी । मने, आब ओइसीन परिस्थिति नैरहल उल्लेख कैटी उहाँ कहली,"कार्य समितिमे महिला वा पुरुष जो हुइलेसे फेन उ समिति नै हो । ओ, समितिसे करल निर्णय सक्कु मन्ना ओ नेतृत्व स्वीकर्ना करठै । अप्ठ्यारो नैहो ।"

अइसीन बा व्यवस्था

पाछेक समय ऐन, कानुनसे नै हरेक उपभोक्ता समूहमे कार्य समितिमे महिला प्रतिनिधित्वहे बढावा डेले बा । वन नियमावली २०७९ के अनुच्छेद ६ के (८) मे लिखल बा,"सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहके कार्य सञ्चालनके लाग ढेरमे १५ सदस्यीय कार्यसमिति रहना बा । कार्यसमितिके अध्यक्ष वा कोषाध्यक्ष पद्मध्ये कम्तीमे एक पद् ओ उपाध्यक्ष वा सचिव पद्मध्ये कम्तीमे एक पद्सहित कार्यसमितिमे कम्तीमे ५० प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व हुइ पर्ना बा ।"

ऐने, कानुनसे नै सामुदायिक वनमे महिला प्रतिनिधित्वहे जोड डेहल वन संरक्षणमे महिला सहभागिता बह्रल सामुदायिक वन समन्वय समिति भजनीके अध्यक्ष चौधरीके ठम्याइ बा । "महिला नैरलेसे टे आब सामुदायिक वन उपभोक्ता समिति नैचले सेकी । ऐन, कानुनसे नै महिलाहे स्थान डेना कहले बा", उहाँ थप्लै,"समितिमे महिला किल रलेसे बरु ऐन स्वीकारठ् । मने, महिला नैरहल समितिहे स्वीकारे नैसेकठ् । समावेशी नैहोके नैमानठ् ।"

ऐनसे महिला सहभागिताहे जोड डेहल ओरसे सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमे महिलाके प्रतिनिधित्व पुरुषसे फेन ढेर रहल बा । काहे कि, महिला सामुदायिक वनके कार्यसमितिमे पुरै महिला नै रहना करल बाटै । अन्य सामुदायिक वनमे उहाँहुक्रनके सहभागिता ५० प्रतिशत रहना करल बा ।

सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघसे टमान समयमे करल आन्दोलन, पैरवी, वकालतके प्रतिफल स्वरुप सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमे महिलाके प्रतिनिधित्व ५० प्रतिशत सुनिश्चित हुइल सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ सुदूरपश्चिम प्रदेश समितिके अध्यक्ष भुमा चौधरीके कहाइ रहल बा । उहाँ कहली,"महिलाके ५० प्रतिशत प्रतिनिधित्व कौनो फेन निकायमे नैहो । पाछेक समय सरकारी निकायसे टमान क्षेत्रमे इ अभ्यासहे अनुसरण करटी रहल बावै ।"

सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहमे महिला सहभागिता ढेर रलेसे फेन नेतृत्वमे भर आभिन कम रहल अध्यक्ष चौधरी जानकारी डेली । उहाँ महिलाके नेतृत्व क्षमता वृद्धिके लाग महासंघसे नेतृत्व विकास, क्षमता विकास लगायत लेखासम्बन्धी तालिम डेटी आइल उल्लेख करली ।

सामुदायिक वनके अवधारणा आइलपाछे उपभोक्ताहुक्रनके कैयौं बरसके प्रयासमे नाङ्गा डाँडाकाँडा, बगर हरियालीमे परिणत हुइल बावै । मने, स्थानीय ओ प्रदेश सरकारके वनउपरके ठाहे हस्तक्षेपसे हरियर बन्वा फेनसे उजाड हुइना चिन्ता बह्रल सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघके ठहर रहल बा । सामुदायिक बन्वासे प्रदेश सरकारहे २५ ओ स्थानीय सरकारहे १० प्रतिशत राजस्व टिर्ना मेरके प्रदेश सरकारसे प्रदेश वन ऐन बनाइल उल्लेख कैटी अध्यक्ष चौधरी वन क्षेत्रमे रहल तालतलैयाहे फेन स्थानीय सरकारसे नैलेहल उल्लेख करली ।

"वन ऐनसे टे तालतलैयाहे उपभोक्ता समूहसे आयआर्जनके लाग प्रयोग करे सेक्ना कहल बा", उहाँ कहली,"मने, स्थानीय सरकारसे ओम्ने हस्तक्षेप करले बावै ।"

वन संरक्षण ओ उपभोक्ताके हितके क्षेत्रमे स्थानीय ओ प्रदेश सरकारके लगानी शून्य रहल अध्यक्ष चौधरीके जिकिर रहल बा । महिलासे वन संरक्षणके क्षेत्रमे नमुना काम करटी रहल उल्लेख कैटी उहाँ कहली,"मने, महिला नेतृत्व विकासमे फेन सरकारके लगानी शून्य बा ।"

कैलारी गाउँपालिकाके वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन शाखा प्रमुख भुवन बखरिया महिला नेतृत्व विकास, क्षमता विकासके लाग स्थानीय तहसे बजेट नैछुट्याइना करलेसे फेन विगतमे वृक्षारोपण ओ वनहेरालु खर्चके लाग बजेट डेहल बटैलै । "हमार पालिकामे इ बरस अब्बेसम वृक्षारोपण करक लाग बजेटके निर्णय नैहुइल हो", उहाँ कहलै,"मने, विगतमे सामुदायिक वन समन्वय समिति, सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहसे बजेट लैगिल रहिट ।"

नाउँ महिलाके नेतृत्व पुरुषके

महिलासे चलैना मेरके महिलाके नाउँमे ढेउर सामुदायिक बन्वा बावै । मने, महिलाके नाउँमे रहल कतिपय बन्वाके नेतृत्व पुरुष करटी रहल डेखल बा । भजनी नगरपालिकामे ओइसीन ढेर सामुदायिक बन्वा बावै, जौन महिलाके नाउँमे दर्ता बावै, मने, पुरुषसे नेतृत्व कैके उपभोक्ता समिति चलैटी रहल बाटै ।

भजनी नगरपालिका–४ कुँडीमे रहल जमुनी महिला सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिके नेतृत्व स्थानीय बुधराम चौधरी करटी रहल बाटै । ओस्टके, वडा नम्बर, ३ काँढामे रहल मैथुनियाँ महिला सामुदायिक वन डुबनारायण महतोके हाठमे रहल बा । वडा नम्बर ९ खुरहुरियामे रहल हरियाली महिला सामुदायिक वनके नेतृत्व श्रीपाल चौधरी करटी रहल बाटै ।

कतिपय सामुदायिक बन्वा नाउँ मात्राके महिला सामुदायिक वन रहल सामुदायिक वन समन्वय समिति भजनीके अध्यक्ष चौधरी बटैलै । उहाँके अनुसार महिला नेतृत्व निस्क्रिय रहल ओ चन्दा वा धम्की जैसिन आतङ्कना कारण डराके नेतृत्व त्यागल कारण महिलाके नाउँमे रहल बन्वाहे पुरुष चलैना बाध्य हुइल हुइट । "सामुदायिक बन्वा छोट इस्यु वा बहाना भेटैटी किल दलके कार्यकर्तासे लेके मिडियाके व्यक्ति समेत डरधम्की डेके रकम मग्ना करल बाटै", चौधरी कहलै,"ढेर हुइलपाछे कुछ महिला डराके नेतृत्व छोरले बाटै । ओ, महिलाके नाउँमे रहल बन्वा अब्बे पुरुष चलैटी रहल बाटै ।"

ओस्टके, हरियाली महिला सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिके अध्यक्ष श्रीपाल चौधरी महिलासे उपभोक्ता समिति चलाइ नैसेकल कारण पुरुष अध्यक्ष बने लागल बटैलै । "रातके गस्ती जाइ परठ् । टमान समयमे खटे पर्ना कारणसे महिलाहे सामुदायिक बन्वामे चुनौती बावै । कहल जस्टे सजिल नैहो", उहाँ कहलै,"हमार सामुदायिक बन्वाके अध्यक्ष फेन पहिले महिला रहिट । उहाँहुके चलाइ नैसेकके छोरलपाछे डुई कार्यकाल रामबहादुर चौधरी चलैलै । अब्बे मै अध्यक्ष बाटुँ ।"

महिला वन पुरुष चलैना कानुन विपरित नैहोः पाठक

कानुनसे सामुदायिक वन महिला वा पुरुषके किल छुट्ट रहना व्यवस्था करल नैहो । कानुनसे केवल सामुदायिक वन कहिके किल व्यवस्था करले बा । मने, बन्वामे महिला सहभागिता बह्रैना क्रममे महिलाके नाउँमे सामुदायिक बन्वा बनैना चलन चलल् उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय सुदूरपश्चिमके सूचना अधिकारी भोजराज पाठकके कहाइ रहल बा ।

उहाँके अनुसार महिलाके नाउँमे बनल सामुदायिक बन्वाके नेतृत्व ओ संरक्षण व्यवहारिक रुपमे महिला करे पर्ना हो । मने, कतिपय ओइसीन बन्वाके नेतृत्व पुरुष करटी रहल बाटै कलेसे उ कानुन विपरित फेन नैहो । "महिलाके नाउँमे रहल सामुदायिक बन्वा महिला नै चलाइ परठ् कना कानुनसे व्यवस्था करल नैहो", पाठक कहलै,"ओहेमारे महिला सामुदायिक बन्वामे पुरै कार्य समिति महिलाके किल बा कलेसे उ व्यवहारिक पक्ष हो । यदि, कहोंरो पुरुष नेतृत्व करटी रहल बाटै कलेसे ओइसीन फेन करे पागैल । कानुन विपरित नैहो ।"

सीमसार क्षेत्रमे पैना चिरैंनके अस्तित्व खतरामे

कञ्चनपुर, २६ माघ । कञ्चनपुरके संरक्षण क्षेत्रबाहरके टल्वा तथा सीमसार क्षेत्रमे पाजैना चिरैंनके अस्तित्व खतरामे परल बा ।

अनियन्त्रित चोरी शिकारी, अवैध व्यापार, जलवायु परिवर्तनके असर, विषादी तथा कीटनाशक, रासायनिक मलके प्रयोग, जलप्रदूषण, प्लास्टिक फोहर, सिँचाइके लाग पानीके अति प्रयोग, टल्वा सुख्वाके मच्छी मर्ना कार्यसे चिरैं संरक्षणमे चुनौती थपल बा ।

नेपाल पन्छी संरक्षण संघ (बिसिएन) के चराविद् हिरुलाल डगौरा सीमसार क्षेत्र खुम्चटी जाके चिरैंनके बासस्थानमे खलल पुगल बटैलै । "टल्वा तथा सीमसार क्षेत्र अतिक्रमण होके ८६ प्रतिशत चिरैं जोखिमे रहल पाइल बा", उहाँ कहलै, "चिरैंनके बासस्थानसँगे ताल तलैया तथा सीमसार क्षेत्रमे चिरैं मारक लाग विषादीके प्रयोग हुइना करल पाइल बा, उ कार्यसे चिरैंनके अस्तित्व खतरामे परल बा ।"

उहाँके अनुसार बेलौरी नगरपालिका–६ स्थित पुरैनी टल्वामे सन् २०१७ मे करल सर्वेक्षणमे डुई हजार डुई सय जलपन्छी फेला परल रहिट । ओकर नौ बरसपाछे सन् २०२५ मे आइटसम चिरैंनके संख्या घटके सात सय ५ पुगल बा । चिरैंनके संख्या बर्सेनि घट्टी जैनामे बासस्थान विनाश प्रमुख कारणके रुपमे रहल बा । बीया छर्न ओ उमर्ना, परागसेचन कैना, परिस्थितिकीय प्रणालीमे सहयोग कैना, कीरा फट्यांग्रा नियन्त्रण कैनामे चिरैं महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ना करठै । इ सँगे पर्यापर्यटनमे टेवा, वातावरणके शोभा बढ्हैना कार्यसँगे चिरैंनके धार्मिक तथा सांस्कृति महत्व रहल चराविद् डंगौरा बटैठै ।

बिषादी प्रयोग कैके चिरैं मर्ना तथा शिकार कैना कार्यहे स्थानीय सरकार, प्रशासनिक निकायसे नियन्त्रण करे पर्ना

उहाँ बटैठै । बिसिएनके सहयोगमे चिरैं संरक्षणके लाग समुदाय स्तरमे सचेतना फैलाइक लाग छलफल, गोष्ठी, बैठकसँगे चिरैं अवलोकनके कार्यक्रम सञ्चालन हुइटी आइल बावै । उ कार्यक्रममे चिरैं संरक्षण करक लाग सीमसार क्षेत्र बचाइ पर्ना बातमे जोड डेटी आइल बा ।

स्वस्थ्य, प्राकृतिक सिमसार क्षेत्र मानव अस्तित्वके लाग महत्वपूर्ण रहल ओरसे समुदायहे सम्झैना बुझैना कार्य हुइटी आइल कञ्चनपुर पंछी संरक्षण समूहके अध्यक्ष सन्देश चौधरी बटैलै । "सिमसारसँग मानव समाजके अत्यावश्यक ओ आधारभूत सम्बन्ध बा", उहाँ कहलै, "ताजा पानी आपूर्ति कैना कार्य सँगे सीमसार क्षेत्रसे पानी भण्डारण करठ्, जेकर कारण सीमसार क्षेत्र महत्वपूर्ण रहल बा ।"

एक सर्वेक्षणअनुसार आधासे ढेर विश्वके मुख्य आहाराके लाग सिमसारमे उब्जाइल उत्पादनमे निर्भर बा । विश्वके एक अर्बसे ढेर मनैके लाग सिमसार क्षेत्रके मच्छी प्रोटिनके प्राथमिक स्रोत हो ।

सीमसार क्षेत्रमे उब्जाइल धान वार्षिक तीन दशमलव पाँच अर्ब मनैनहे खाइक लाग पुगठ् । सीमसार क्षेत्रके महत्व नैबुझके अतिक्रमणके चपेटामे परटी गैल बा । प्रवासी चराचुरुंगी ओ अन्य जनावर यात्राके क्रममे आराम कैना, खाना खैना ठाउ वा प्रजननके लाग सिमसारमे निर्भर रहठै ।

रैथाने ओ प्रवासी चिरैंनके मुख्य बासस्थानके रुपमे रहल सीमसार क्षेत्रहे बचाइक लाग सक्कु जनहनके मत्वपूर्ण भूमिका हुइना बेलौरी नगरपालिकाके उपप्रमुख जोगराम चौधरीके कहाइ बा । बिसिएनसँग सहकार्य कैके नगरपालिका क्षेत्रभिट्टरके सीमसार क्षेत्र संरक्षण ओ जलपंछी संरक्षणके लाग योजनाबद्ध रुपमे कार्यक्रम सञ्चालन कैना इच्छुक रहल उहाँके कहाइ रहल बा ।

"पर्याप्त खाना, सुरक्षित प्रजननस्थल ओ मजा मौसमके खोजीमे चिरैं डुर डुरसे बर्सेनि ताल तलैया ओ सीमसार क्षेत्रमे अइना करठै", चरा संरक्षणकर्मी सुवन चौधरी कहलै, "टल्वाके शोभा बढ्हैना चिरैं बचाइक लाग टल्वामे मच्छी मर्ना कार्य रोके परल, बिषादी डारके चिरैं मर्ना कार्यहे निरुत्साहित करे परल ।"

कञ्चनपुरमे चार सय ८० प्रजातिके चिरैं पाजैठै । जेम्ने संक्षितके सूचिमे रहल नौ प्रजातिमध्ये सेतो गरुड, कालो गरुड, खरमजुर, सानो खरमजुर सारस, राजधनेशलगायतके चिरैं फेन यहाँ पाजैठै । राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन, २०२९ मे संरक्षित पंछी सिकार कैके मारलमे वा घाइते बनाइलमे रु १५ हजारसे रु ३० हजारसम जरिवाना वा तीन महिनासे नौ महिना कैद वा डुनु सजाय हुइना व्यवस्था रहल कुण्डा सब डिभिजन वन कार्यालयके प्रमुख दिनेशकुमार यादव बटैलै ।

उहे ऐनअन्तर्गत संरक्षित वन्यजन्तु मर्ना वा घाइते बनुइयाहे रु एक लाखसे रु पाँच लाखसम जरिवाना वा एक बरससे १० बरससम कैदके व्यवस्था रहल बा ।

चार गोलिया काठसहित तीन पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ माघ । साझेदारी वन क्षेत्रसे काठ चोरी करल आरोपमे कैलालीमे चार गोलिया काठसहित तीन जनहनहे पक्राउ करल बा ।

इलाका प्रहरी कार्यालयसे खटल प्रहरी ओ सब डिभिजन वन कार्यालय मसुरियासे खटल वनकर्मीके संयुक्त टोलीसे ओइनहे पक्राउ करल हो । पक्राउ परुइयामे गौरीगंगा नगरपालिका–७ मट्कौना पछलापट्टीके ५१ वर्षीय दिनेश चौधरी, ४१ वर्षीय निर्मल डंगौरा थारू ओ ५४ वर्षीय सीताराम चौधरी रहल सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी कार्यालय जानकारी डेले बा ।

प्रहरीके अनुसार उहाँहुक्रे गौरीगंगा साझेदारी बन्वासे ५७.०८ क्युफिट काठ चोरी कैके लानल रहिट ।

गौरीगंगा नगरपालिकाद्वारा जनहितमा जारी सन्देश

चिसोमा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं

- चिसोबाट् बालबालिका र ज्येष्ठ नागरिक बढी प्रभावित हुने हुँदा उनीहरूको उचित स्याहार गरौं,
- चिसोमा वाहिर हिड्दा तातो र न्यानो कपडा लगाऔं,
- कोठामा हिटर वा आगो वाल्दा होसियारी अपनाऔं,
- चिसोवाट जोगिन दैनिक घाम ताप्ने गरौं,
- शारीरिक व्यायाम गरौं,
- जाडोबाट बच्ने नाममा धुम्रपान र मद्यमान नगरौं,
- रुघाखोकी, ज्वरो लगायतका स्वास्थ्य समस्या देखिएमा स्वास्थ्य परीक्षण गरौं र गराऔं ।

गौरीगंगा नगरपालिका
नगरकार्यपालिकाको कार्यालय
अत्तरिया, कैलाली

ब्रिनोज कान स्वास्थ्य सामुदायिक सेवा फुल्टेक्रा

नेपालगञ्ज,बाँके द्वारा दरवार आँखा अस्पतालमा
प्रत्येक महिनाका दोस्रो शनिबार कान सम्बन्धि रोगहरु

कान सम्बन्धि रोगहरु :
कान पाक्ने ,कान नसुन्ने काने गुजी,दुसी

कानमा पार्न गएको बाहिरि बस्तु निकाल्न
कान स्वास्थ्य प्राविधिक द्वारा चेक जाँज गरिन्छ ।

थप जानकारी
ब्रिनोज कान स्वास्थ्य सामुदायिक सेवा फुल्टेक्रा
नेपालगञ्ज-५,बाँके
फोन ०८१-५३०२४४ / ५३२२४४ / मो. ९८५८०८१२४४

संस्कृति र सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण गरौं

- संस्कृति र सांस्कृतिक सम्पदा हाम्रा पहिचान हुन्, यिनीहरुको संरक्षण गर्नु हाम्रो दायित्व हो,
- सांस्कृतिक विविधता वीच एकता कायम राखौं,
- सांस्कृतिक धरोहरहरूको प्रचारप्रसार र सुरक्षा गरौं,
- सम्पदा वरिपरि सफा राखी सभ्य समाज निर्माण गरौं,
- सामाजिक मेलमिलाप र भाइचारा कायम राखौं,

सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण र सम्मानमा हातेमालो गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

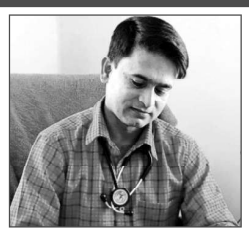

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन
धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९